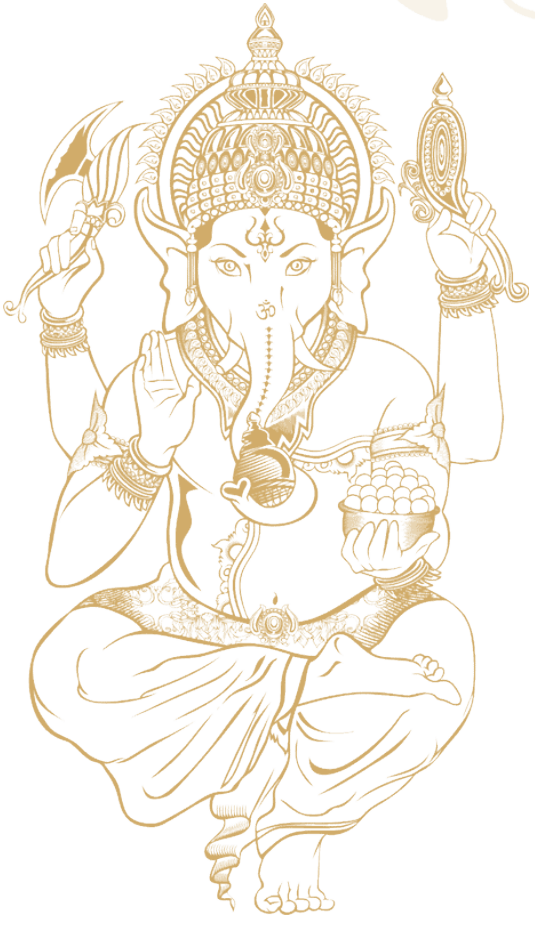

Mr. Sandeep

Ms. aishwarya

Model: Web-FreeMatching

Order No: 119751003

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
22-23/11/1993	जन्म तिथि	30-31/08/1995
सोम-मंगलवार	दिन	बुध-गुरुवार
घंटे 02:50:00	जन्म समय	04:00:00 घंटे
घटी 49:39:33	जन्म समय(घटी)	54:30:02 घटी
India	देश	India
Merta	स्थान	Bikaner
26:39:00 उत्तर	अक्षांश	28:01:00 उत्तर
74:07:00 पूर्व	रेखांश	73:22:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:33:32	स्थानिक संस्कार	-00:36:32 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:58:10	सूर्योदय	06:13:48
17:41:07	सूर्यास्त	19:00:20
23:46:33	चित्रपक्षीय अयनांश	23:47:56

विंशोत्तरी		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी	
गुरु 7वर्ष 11मा 0दि		11:34:50	कन्या	लग्न	कर्क	13:31:33	राहु 11वर्ष 2मा 16दि	
बुध		06:49:22	वृश्चि	सूर्य	सिंह	13:16:42	शनि	
24/10/2020		26:44:02	कुंभ	चंद्र	तुला	11:41:41	16/11/2022	
24/10/2037		16:06:14	वृश्चि	मंगल	तुला	01:22:47	16/11/2041	
बुध	23/03/2023	17:12:37	तुला	बुध	कन्या	08:37:19	शनि	19/11/2025
केतु	19/03/2024	08:50:34	तुला	गुरु	वृश्चि	12:55:22	बुध	29/07/2028
शुक्र	18/01/2027	23:31:41	तुला	शुक्र	सिंह	16:00:04	केतु	07/09/2029
सूर्य	24/11/2027	00:25:29	कुंभ	शनि व	कुंभ	28:39:03	शुक्र	06/11/2032
चन्द्र	25/04/2029	09:16:27	वृश्चि व	राहु	तुला	03:46:00	सूर्य	19/10/2033
मंगल	22/04/2030	09:16:27	वृष व	केतु	मेष	03:46:00	चन्द्र	21/05/2035
राहु	08/11/2032	25:45:03	धनु	हर्ष व	मक	03:15:26	मंगल	28/06/2036
गुरु	14/02/2035	25:22:30	धनु	नेप व	धनु	29:17:55	राहु	05/05/2039
शनि	24/10/2037	01:51:26	वृश्चि	प्लूटो	वृश्चि	04:09:25	गुरु	16/11/2041

लग्न-चलित

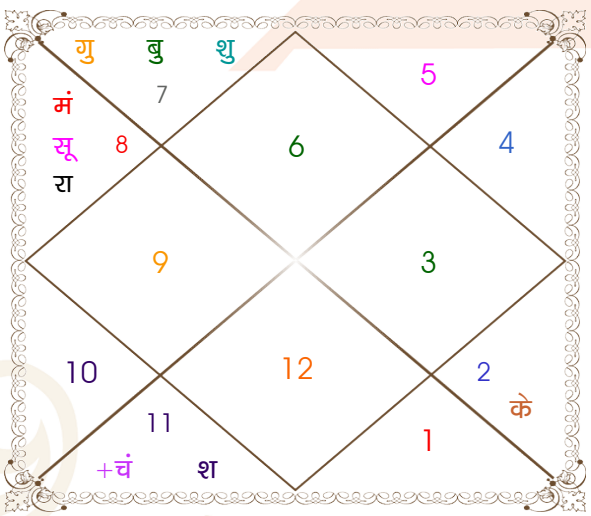

लग्न-चलित

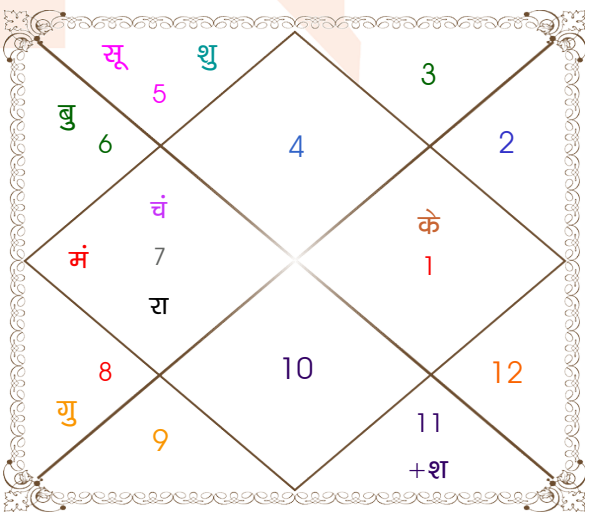

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	शूद्र	शूद्र	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	मानव	मानव	2	2.00	--	स्वभाव
तारा	सम्पत	अतिमित्र	3	3.00	--	भाग्य
योनि	सिंह	महिष	4	1.00	--	यौन विचार
मैत्री	शनि	शुक्र	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	मनुष्य	देव	6	5.00	--	सामाजिकता
भकूट	कुम्भ	तुला	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	आद्य	अन्त्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	25.00		

भकूट दोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता है।

डतणैंदकममच का वर्ग सर्प है तथा डेण ंपींूतलं का वर्ग मृग है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार डतणैंदकममच और डेण ंपींूतलं का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

डतणैंदकममच मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में तृतीय भाव में स्थित है।

डेण ंपींूतलं मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में चतुर्थ भाव में स्थित है।

कुजजीवो समायुक्तो युक्तो व कुजचन्द्रमा।
न मंगली मंगल राहु योग।

यदि मंगल-गुरु या मंगल-राहु या मंगल-चंद्र एक राशि में हों तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल एवं राहु डेण ंपींूतलं कि कुण्डली में एक राशि में हैं अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि राहु डतणॅदकममच कि कुण्डली में तृतीय भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

डतणॅदकममच तथा डेणॅपींूतलं में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।